चिमनी और चुड़ैल

ब्रिटिश लोक कथा

बहुत पुरानी बात है. दो लड़कियाँ अपने माता-पिता के साथ रहती थीं. परिवार ने अपने पैसे एक थैले में रखे थे, जो चोरी हो गया था. पिता भी बेरोज़गार थे. घर में पैसों की तंगी के कारण, लड़कियां कहीं दूर जाकर अपनी किस्मत आज़माना चाहती थीं.
उनमें से एक लड़की शहर में जाकर काम करना चाहती थी.
माँ ने उसे शहर जाने की और नौकरी करने की अनुमति दी.

वो शहर के लिए रवाना हुई. वो शहर में नौकरी करना चाहती थी,
लेकिन वहां कोई भी उस जैसी लड़की को नौकरी देना नहीं चाहता था.

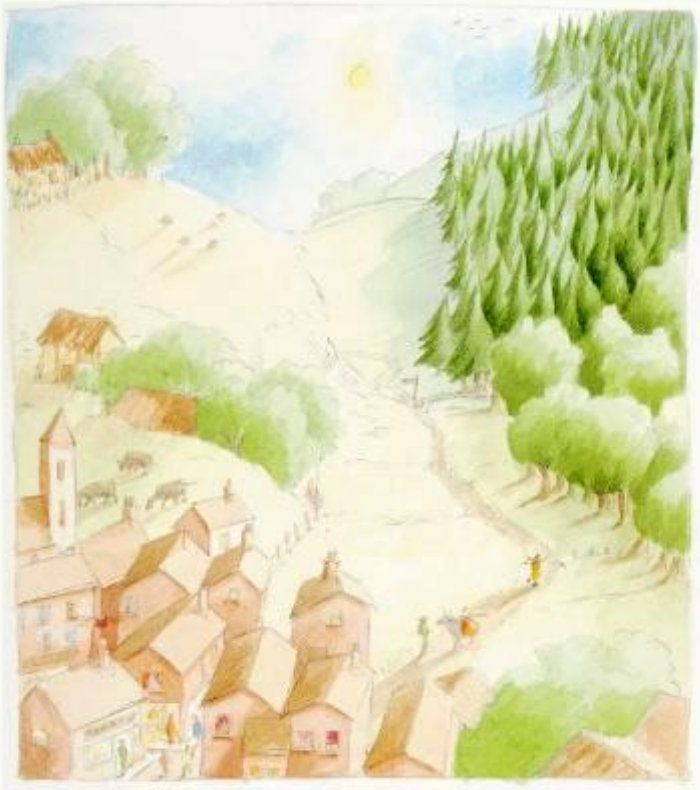

फिर वो शहर से गांव की ओर गई.

जब वो एक खुले इलाके में पहुंची तो वहां बहुत सी डबलरोटियाँ एक भट्टी में पक रही थीं. उन डबलरोटियों ने कहा, "छोटी लड़की, छोटी लड़की, हमें बाहर निकालो. हमें जल्दी बाहर निकालो. हम सात साल से भट्टी में पक रही हैं, पर कोई भी हमें बाहर निकालने नहीं आया."

फिर लड़की ने डबलरोटियों को बाहर निकाला, उन्हें जमीन पर सजाया और फिर वो अपने रास्ते आगे बढ़ी.

आगे उसे एक गाय मिली. गाय ने कहा, "छोटी लड़की,
छोटी लड़की, मेरा दूध निकालो, मेरा दूध निकालो!
मैं सात साल से इंतज़ार कर रही हूं. लेकिन कोई भी मेरा
दूध निकालने नहीं आया है."
लड़की ने गाय का दूध निकाला.

लड़की बहुत प्यासी थी. उसने कुछ दूध पिया पर बाकी
दूध उसने गाय के पास रखी बाल्टी में ही छोड़ दिया.

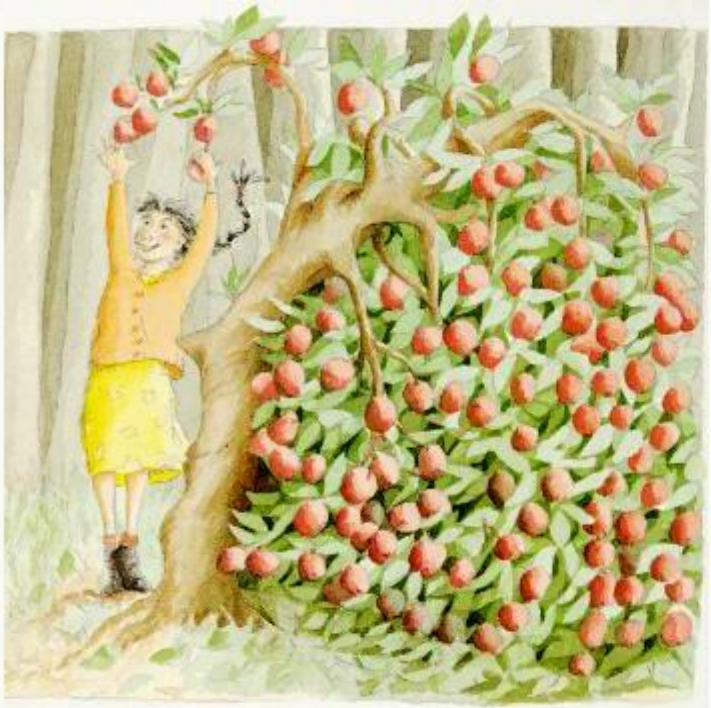

थोड़ी दूर चलने के बाद लड़की एक सेब के पेड़ के पास पहुंची.
पेड़ की शाखें फलों से लदी थीं और वे टूटने वाली थीं. पेड़ ने कहा,
"छोटी लड़की, छोटी लड़की, मेरी शाखों को हिलाओ. मेरी शाखें
फलों के भार से टूट रही हैं."
लड़की ने कहा. "बेशक, गरीब पेड़ मैं तुम्हारी ज़रूर मदद करूंगी."
फिर लड़की ने पेड़ को हिलाया.

लड़की ने शाखों को उठाकर ऊपर किया और
फिर फलों को जमीन पर ही छोड़ दिया.

फिर जब वो आगे गई तो उसे एक घर दिखा.

उस घर में एक चुड़ैल रहती थी. चुड़ैल, लड़कियों से अपने घर का काम करवाती थी. जब उसे पता चला कि वो लड़की काम की तलाश में घर से बाहर निकली थी, तो उसने उस लड़की को नौकरी दी और अच्छी मजदूरी पर रख लिया.

चुड़ैल ने लड़की को घर का काम-काज बताया. "तुम्हें घर साफ और व्यवस्थित रखना होगा, फर्श और चूल्हा साफ़ करना होगा. लेकिन एक चीज है जो तुम कभी भूल कर भी मत करना - तुम चिमनी के अंदर कभी मत झांकना, नहीं तो तुम्हारे साथ कुछ बुरा होगा."

लड़की को जैसा बताया गया उसने वैसा ही किया. लेकिन एक सुबह जब वो सफाई कर रही थी, तब चुड़ैल कहीं बाहर गई थी. लड़की चुड़ैल की बात को भूल गई थी. लड़की ने चिमनी ने अंदर झांका तो वहां उसे पैसों से भरा एक बड़ा थैला दिखा. लड़की को अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ, इसलिए उसने उसे ध्यान से देखा. "मुझे इस थैले के बारे में पता है," उसने कहा. "यह थैला मेरे माता-पिता का है."

फिर लड़की थैले को लेकर अपने घर की ओर भागी.

लेकिन तभी उसने चुड़ैल को अपने पीछे आते हुए सुना.

इसलिए सेब के पेड़ के पास पहुंचकर लड़की रोने लगी.
उसने पेड़ से कहा:
सेब के पेड़, सेब के पेड़, मुझे छिपाओ,
जिससे बूढ़ी चुड़ैल मुझे ढूंढ न पाए,
नहीं तो वो मुझे पकड़कर मेरी हड्डियाँ तोड़ देगी,
फिर मुझे संगमरमर के पत्थरों के नीचे दफना देगी.
फिर सेब के पेड़ ने लड़की को छिपा दिया.

जब चुड़ैल पेड़ के पास पहुंची तो उसने पूछा:
मेरे पेड़, मेरे पेड़
क्या तुमने किसी लड़की को देखा है,
उसके लंबे-लंबे बाल है, और उसके पास एक बड़ा थैला है,
उस लड़की ने मेरे पैसे चुराए हैं.
पर सेब के पेड़ ने जवाब दिया, "नहीं, माँ,
मैंने सात साल में यहाँ किसी को नहीं देखा."
जब चुड़ैल दूसरे रास्ते गई, तब लड़की वहां से भाग निकली.

जैसे ही लड़की गाय के पास पहुंची,
उसने चुड़ैल को फिर से अपने पीछे-पीछे आते हुए सुना.
फिर लड़की गाय के पास गई और उसने रोते हुए कहा:
गाय, गाय, मुझे छिपाओ,
जिससे बूढ़ी चुड़ैल मुझे ढूंढ न पाए,
नहीं तो वो मुझे पकड़कर मेरी हड्डियाँ तोड़ देगी,
फिर मुझे संगमरमर के पत्थरों के नीचे दफना देगी.
फिर गाय ने लड़की को छिपाया.

जब बूढ़ी चुड़ैल वहां पहुंची, तो उसने गाय को देखा और पूछा:
मेरी गाय, मेरी गाय,
क्या तुमने किसी लड़की को देखा है,
उसके लंबे-लंबे बाल है, और उसके पास एक बड़ा थैला है,
उस लड़की ने मेरे पैसे चुराए हैं.
पर गाय ने जवाब दिया, "नहीं, माँ, मैंने सात साल में यहाँ
किसी को भी नहीं देखा."

जब चुड़ैल दूसरे रास्ते गई, तो लड़की फिर वहां से भाग गई.
और जब वो भट्टी के पास पहुंची, तो उसने चुड़ैल को
फिर आते हुए सुना, इसलिए वो भट्टी के पास गई और रोई:
भट्टी, भट्टी, मुझे छिपाओ,
जिससे बूढ़ी चुड़ैल मुझे ढूंढ न पाए,
नहीं तो वो मुझे पकड़कर मेरी हड्डियाँ तोड़ देगी,
फिर मुझे संगमरमर के पत्थरों के नीचे दफना देगी.
फिर भट्टी ने लड़की से कहा, "मेरे पास कोई जगह नहीं है,
तुम बेकर से पूछो."
तब बेकर ने लड़की को भट्टी के पीछे छिपा दिया.

जब चुड़ैल भट्टी के पास पहुंची तो
उसने इधर-उधर और हर तरफ देखा और फिर बेकर से पूछा:
मेरे आदमी, मेरे आदमी,
क्या तुमने किसी लड़की को देखा है,
उसके लंबे-लंबे बाल है, और उसके पास एक बड़ा थैला है,
उस लड़की ने मेरे पैसे चुराए हैं.

तब बेकर ने जवाब दिया: "तुम भट्टी में देखो."
बूढ़ी चुड़ैल लड़की को देखने के लिए भट्टी में घुसी.
फिर भट्टी ने कहा, "सबसे दूर के कोने में जाकर देखो."
जब चुड़ैल भट्टी में घुसी, तब बेकर ने बाहर से दरवाजा
बंद कर दिया, और फिर बूढ़ी चुड़ैल बहुत देर तक भट्टी में ही रही.

फिर लड़की वहां से भागी.
चुड़ैल से चुराए पैसों की थैली के साथ वो अपने घर पहुंची.

उसने अपने माता-पिता को पैसों की थैली दी.
फिर लड़की ने एक अच्छे आदमी से शादी की
और एक खुशहाल जीवन व्यतीत किया.

खैर, फिर दूसरी बहन ने भी सोचा कि
वो भी अपनी बहन जैसा ही करेगी.

वो भी अपनी बहन जैसी ही घर से चली. लेकिन जब वह भट्टी पर पहुंची, तो डबलरोटियों ने कहा, "छोटी लड़की, छोटी लड़की, हमें बाहर निकालो. सात साल से हम भट्टी में पक रही हैं, और अभी तक हमें कोई भी बाहर निकालने नहीं आया है."
लेकिन लड़की ने कहा, "माफ़ करो, मैं अपनी उंगलियां नहीं जलाना चाहती."

फिर आगे जाकर वो गाय से मिली. और गाय ने कहा, "छोटी लड़की, छोटी लड़की, मेरा दूध निकालो. सात साल से मैं इंतजार कर रही हूं, पर कोई भी मुझे दूने के लिए नहीं आया है."
लेकिन लड़की ने कहा, "नहीं, मैं तुम्हारा दूध नहीं निकाल सकती. मैं बहुत जल्दी में हूं." और फिर लड़की तेजी से आगे चली गई.
फिर वो सेब के पेड़ के पास पहुंची, तो सेब के पेड़ ने उससे अपनी शाखें हिलाने को कहा. "नहीं, मैं यह नहीं कर सकती," लड़की ने उसे टका सा जवाब दिया. "मैं वो काम किसी और दिन करूंगी."

फिर अंत में लड़की चुड़ैल के घर पहुंची.

खैर, यह उसके साथ भी वैसा ही हुआ जैसा कि उसकी बहन के साथ हुआ था. एक दिन जब चुड़ैल बाहर थी, तो लड़की भूल गई कि चुड़ैल ने उससे क्या कहा था. उसने चिमनी के अंदर झाँका और वहां उसे पैसों का एक थैला दिखा. लड़की, तुरंत थैले को लेकर भागी.

जब वह सेब के पेड़ के पास पहुंची, तो उसने चुड़ैल को
अपने पीछे आते हुए सुना. लड़की ने रोते हुए पेड़ से कहा:
सेब के पेड़, सेब के पेड़, मुझे छिपाओ,
जिससे बूढ़ी चुड़ैल मुझे ढूढ न पाए,
नहीं तो वो मुझे पकड़कर मेरी हड्डियाँ तोड़ देगी,
फिर मुझे संगमरमर के पत्थरों के नीचे दफना देगी.

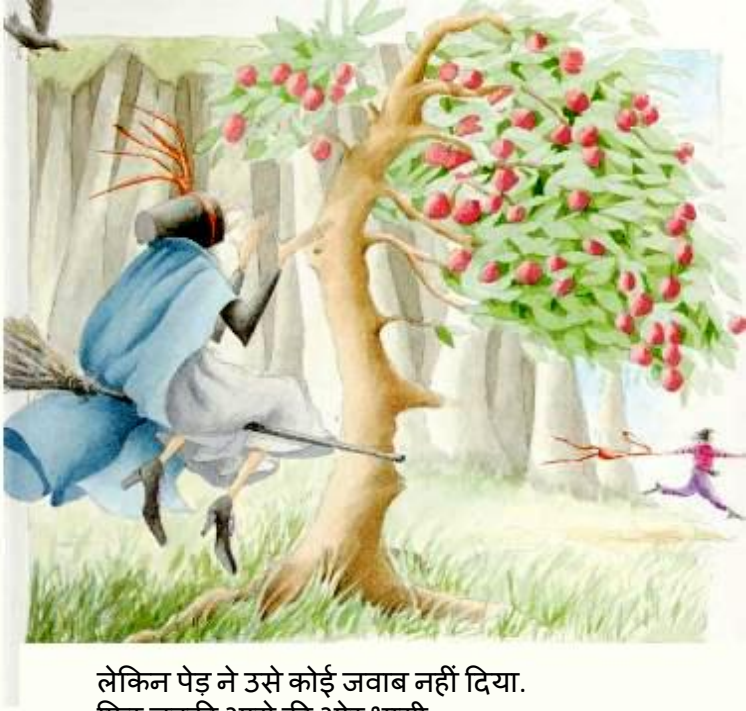

लेकिन पेड़ ने उसे कोई जवाब नहीं दिया.
फिर लड़की आगे की ओर भागी.
जब चुड़ैल वहां पहुंची तो उसने पेड़ से पूछा:
मेरे पेड़, मेरे पेड़,
क्या तुमने किसी लड़की को देखा है,
उसके लंबे-लंबे बाल है, और उसके पास एक बड़ा थैला है,
उस लड़की ने मेरे पैसे चुराए हैं.
पेड़ ने कहा. "हाँ माँ, वो इसी रास्ते से आगे गई है."

फिर बूढ़ी चुड़ैल उसके पीछे गई और उसने लड़की को पकड़ा.
उसने लड़की से सारे पैसे छीने और फिर अपनी झाड़ू से
उसकी खूब पिटाई की और उसके बाद उसे वहां से भगा दिया.

समाप्त